an>

Title: Issue regarding eco-sensitive zone in Jamshedpur Jharkhand.

श्री विद्युत वरन महतो **(जमशेदपुर):** उपाध्यक्ष महोदय, इस समय जमशेदपुर, झारखंड में इको सेंसटिव जोन का मुद्दा सबसे चर्चित है। पिछले दिनों दलमा के आस-पास 51 मौजा के 136 गांवों को इको सेंसटिव जोन में रखने के विरोध में जमशेदपुर, पटमदा, चांडिल और नीमडी पूर्खंड में हजारों आदिवासी तथा मूलवासियों ने डी.सी. कार्यालय का घेराव किया।

गौरतलब है कि पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की दिनांक 29 मार्च, 2012 को प्रकाशित असाधारण बिल पास किया, जिसमें इको सेंसटिव जोन को लेकर 29 मार्च, 2012 को गजट अधिसूचना जारी कर दी गयी।

उपाध्यक्ष महोदय, वनों एवं बेजुबान वन्य जीवों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता समझ में आती है, लेकिन इस संवेदनशीलता की कीमत पर आम आदमी और खासकर वनों पर निर्भर भोले-भाले साधन विहीन लोगों के प्रति असंवेदनशीलता की जायज नहीं ठहराया जा सकता। पर्यावरण और सुरक्षा दोनों जरूरी हैं। लिहाजा सरकार को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए, जो बैलेंस रहे। मैं आपके माध्यम से सरकार को जनभावना से अवगत कराकर गजट अधिसूचना में संशोधन की माग करता हूं।